कृपया प्रकाशनार्थ **2 अक्तूबर 2009**

"पराजय साफ दिखाई देने से बक रहे हैं मनसे नेता " - राम नाईक

मुंबई, शुक्रवार : मनसे को पराजय सामने दिखाई देने लगा है इसलिए परेशान होकर मनसे के प्रवक्ता और विलेपार्ले के उम्मीदवार श्री शिरीष पारकर अब कुछ भी बकने लगे हैं. भाजपा नेता "श्री राम नाईक को बीमारी के कारण हर तीन महिनों में खून बदलना पडता है" यह उनकी ताजी कथनी सरासर झूठी है. इनके इस बकवास को गंभीरता से लेने की जरुरत है, ऐसी शिकायत श्री राम नाईक ने आज निर्वाचन आयोग के पास की है.

इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए श्री राम नाईक ने कहा,"आयबीएन लोकमत चैनल पर श्री निखिल वागळे के 'आजचा सवाल' कार्यक्रम में श्री शिरीष पारकर ने मेरे बारे में कही बाते सरासर झुठी है. सभ्यता-सुसंस्कृतता का मुलाहिजा न रखकर उन्होने भाजपा-शिवसेना युती के खिलाफ उनके दिल में जो जहर है उसे उगालने का प्रयास है. मेरे पुरे जीवन में सौभाग्य से कभी भी खून बदलने की नौबत मुझ पर नहीं आयी. मेरे स्वास्थ्य के विषय में वें केवल भ्रम पैदा करना चाहते हैं. मुझे मराठी-द्वेष्टा कह कर मेरी अस्मिता को चुनौती देनेवाले 'मनसे' नेता शायद इतिहास भूल गये हैं. क्या वें जानते नहीं की केंद्र सरकार से 'बॉम्बे-बम्बई' का 'मुंबई' मैंने ही करवाया. मैंने तो मेरी दोनो बेटीयों को मातृभाषा में शिक्षा दी. जो मनसे नेता अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में भेजते है उनसे मराठी प्रेम के यां राष्ट्र प्रेम के पाठ सिखने की मुझे कोई जरुरत नहीं. जनता मुझे जानती हैं."

श्री शिरीष पारकर विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार है. इसीकारण उनकेऐसे गलत तथा आचार संहिता भंग करनेवाले विधानों की शिकायत श्री. राम नाईक ने चुनाव आयोग को की है. श्री पारकर ने किए मानहानिकारक वक्तव्य के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही करा ने का निर्णय भी श्री राम नाईक ने किया है.

(कार्यालय मंत्री)